सूरज - सूर्य - Sun- सूर्य को वेदों में जगत की आत्मा कहा गया है। समस्त चराचर जगत की आत्मा सूर्य ही है। सूर्य से ही इस पृथ्वी पर जीवन है, यह आज एक सर्वमान्य सत्य है। वैदिक काल में आर्य सूर्य को ही सारे जगत का कर्ता धर्ता मानते थे। सूर्य का शब्दार्थ है सर्व प्रेरक.यह सर्व प्रकाशक, सर्व प्रवर्तक होने से सर्व कल्याणकारी है। ऋग्वेद के देवताओं में सूर्यदेव का महत्वपूर्ण स्थान है। यजुर्वेद ने "चक्षो सूर्यो जायत" कह कर सूर्य को भगवान का नेत्र माना है। छान्दोग्यपनिषद में सूर्य को प्रणव निरूपित कर उनकी ध्यान साधना से पुत्र प्राप्ति का लाभ बताया गया है। ब्रह्मवैर्वत पुराण तो सूर्य को परमात्मा स्वरूप मानता है। प्रसिद्ध गायत्री मंत्र सूर्य परक ही है। सूर्योपनिषद में सूर्य को ही संपूर्ण जगत की उतपत्ति का एक मात्र कारण निरूपित किया गया है। और उन्ही को संपूर्ण जगत की आत्मा तथा ब्रह्म बताया गया है। सूर्योपनिषद की श्रुति के अनुसार संपूर्ण जगत की सृष्टि तथा उसका पालन सूर्य ही करते है। सूर्य ही संपूर्ण जगत की अंतरात्मा हैं। अत: कोई आश्चर्य नहीं कि वैदिक काल से ही भारत में सूर्योपासना का प्रचलन रहा है। पहले यह सूर्योपासना मंत्रों से होती थी। बाद में मूर्ति पूजा का प्रचलन हुआ तो यत्र तत्र सूर्य मन्दिरों का नैर्माण हुआ। भविष्य पुराण में ब्रह्मा विष्णु के मध्य एक संवाद में सूर्य पूजा एवं मन्दिर निर्माण का महत्व समझाया गया है। अनेक पुराणों में यह आख्यान भी मिलता है, कि ऋषि दुर्वासा के शाप से कुष्ठ रोग ग्रस्त श्री कृष्ण पुत्र साम्ब ने सूर्य की आराधना कर इस भयंकर रोग से मुक्ति पायी थी। प्राचीन काल में भगवान सूर्य के अनेक मन्दिर भारत में बने हुए थे। उनमे आज तो कुछ विश्व प्रसिद्ध हैं। वैदिक साहित्य में ही नहीं आयुर्वेद, ज्योतिष, हस्तरेखा शास्त्रों में सूर्य का महत्व प्रतिपादित किया गया है।

आसमान – आकाश - Sky आसमान का अर्थ गगन होता है आकाश किसी भी खगोलीय पिण्ड (जैसे पृथ्वी) के वाह्य अन्तरिक्ष का वह भाग है जो उस पिण्ड

के सतह से दिखाई देता है। अनेक कारणों से इसे परिभाषित करना कठिन है। दिन के प्रकाश में पृथ्वी का आकाश गहरे-नीले रंग के सतह जैसा प्रतीत होता है जो हवा के कणों द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन के परिणामस्वरूप घटित होता है।

दौड़ – वेग से चलना – Race -दौड़ का मतलब वेग से चलना होता है दौड़ने से शरीर में फुर्ती बनी रहती है। दौड़ना शरीर के लिए काफी लाभदायक होता है। रिले रेस (Relay Race) को एथलेटिक्स इवेंट में सांसें रोक देने वाली सबसे रोमांचक रेस माना जाता है, जिसमें टीमवर्क और समन्वय का सबसे बेहतरीन उदाहरण देखा जाता है। इस अवधारणा की उत्पत्ति प्राचीन ग्रीस में हुई थी, जहां कई कुरियर के माध्यम से एक मेसेज स्टिक' पास हुआ था। आधुनिक समय में, रिले रेस एक ट्रैक एंड फील्ड (Track and Field) इवेंट है और ओलंपिक खेलों (Olympic Games) में ये एथलेटिक्स' के अंदर आता है।

Brainbox learn easy

ओलंपिक और अन्य IAAF- द्वारा स्वीकृत टूर्नामेंट में से रिले रेस एक ऐसा इवेंट है जहां चार एथलीटों की एक टीम स्प्रिंट रेस में समान दूरी तय करती है, प्रत्येक रेसर एक रॉड जैसी वस्तु को अपनी रेस के बाद साथी को पास करता है, जिसको अगली रेस दौड़नी होती है। इस वस्तु को 'बैटन' कहा जाता है। इसके अलावा भी दूसरी कई प्रकार की रिले होती हैं - जैसे स्प्रिंट मेडले रिले (जहां प्रत्येक धावक 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर की दूरी तय करता है), लॉन्ग डिस्टेंस रिले (जिसमें 5 से अधिक लेग होते हैं) और क्रॉस-कंट्री रिले। हालांकि, ये ओलंपिक या विश्व एथलेटिक्स इवेंट का हिस्सा नहीं हैं। ओलंपिक में दो रिले दौड़ पुरुष और महिला के लिए होती हैं: 4x100 मीटर और 4x400 मीटर। रिले में अंतिम रनर को 'एंकर' कहा जाता है।

चंदा – चाँद – Moon - चंदा का मतलब चाँद होता है। चांद रात में ही दिखाई देता है जो बहुत ही सुंदर होता है चन्द्रमा पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह है।यह सौर मंडल का पाँचवां,सबसे विशाल प्राकृतिक उपग्रह है। इसका आकार क्रिकेट बॉल की तरह गोल है। और यह खुद से नहीं चमकता बल्कि यह तो सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित होता है। पृथ्वी से चन्द्रमा की दूरी ३८४,४०३ किलोमीटर है। यह दूरी पृथ्वी के व्यास का ३० गुना है। चन्द्रमा पर गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से १/६ है। यह पृथ्वी कि परिक्रमा २७.३ दिन में पूरा करता है और अपने अक्ष के चारो ओर एक पूरा चक्कर भी २७.३ दिन में लगाता है। यही कारण है कि चन्द्रमा का एक ही हिस्सा या फेस हमेशा पृथ्वी की ओर होता है। यदि चन्द्रमा पर खड़े होकर पृथ्वी को देखे तो पृथ्वी साफ़ साफ़ अपने अक्ष पर घूर्णन करती हुई नजर आएगी लेकिन आसमान में उसकी स्थिति सदा स्थिर बनी रहेगी अर्थात पृथ्वी को कई वर्षो तक निहारते रहो वह अपनी जगह से टस से मस नहीं होगी। पृथ्वी- चन्द्रमा-सूर्य ज्यामिति के कारण "चन्द्र दशा" हर २९.५ दिनों में बदलती है। आकार के हिसाब से अपने स्वामी ग्रह के सापेक्ष यह सौरमंडल में सबसे बड़ा प्राकृतिक उपग्रह है जिसका व्यास पृथ्वी का एक चौथाई तथा द्रव्यमान १/८१ है। बृहस्पति के उपग्रह Io के बाद चन्द्रमा दूसरा सबसे अधिक घनत्व वाला उपग्रह है। सूर्य के बाद आसमान में सबसे अधिक चमकदार निकाय चन्द्रमा है। समुद्री ज्वार और भाटा चन्द्रमा की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण आते हैं। चन्द्रमा की तात्कालिक कक्षीय दूरी, पृथ्वी के व्यास का ३० गुना है इसीलिए आसमान में सूर्य और चन्द्रमा का आकार हमेशा सामान नजर आता है। वह पथ्वी से चंद्रमा का 59 % भाग दिखता है जब चन्द्रमा अपनी कक्षा में घूमता हुआ सूर्य और पृथ्वी के बीच से होकर गुजरता है और सूर्य को पूरी तरह ढक लेता है तो उसे सूर्यग्रहण कहते हैं।

तारों – तारों – Stars - तारे आकार में काफी बड़े होते हैं, लेकिन हमें धरती से काफी छोटे दिखते हैं| तारे (Stars) स्वयंप्रकाशित (self-luminous) उष्ण वाति की द्रव्यमात्रा से भरपूर विशाल, खगोलीय पिंड हैं। इनका निजी गुरुत्वाकर्षण (gravitation) इनके द्रव्य को संघटित रखता है। मेघरहित आकाश में रात्रि के समय प्रकाश के बिंदुओं की तरह बिखरे हुए, टिमटिमाते प्रकाशवाले बहुत से तारे दिखलाई देते हैं। सूर्य बड़ा तारा है|

Brainbox easy

तितली - तितली - Butterfly - तितली कीट वर्ग का सामान्य रूप से हर जगह पाया जानेवाला प्राणी है। यह बहुत सुन्दर तथा आकर्षक होती है। दिन के समय जब यह एक फूल से दूसरे फूल पर उड़ती है और मधुपान करती है तब इसके रंग-बिरंगे पंख बाहर दिखाई पड़ते हैं। इसके शरीर के मुख्य तीन भाग हैं सिर, वक्ष तथा उदर।

कोयल – सारंग – Cuckoo – कोयल का मतलब सारंग रंग होता है ।कोयल देखने में तो काले रंग की होती है। लेकिन इसकी आवाज बहुत ही मीठी और सुरीली होती है। कोयल या कोकिल 'कुक्कू कुल' का पक्षी है, जिसका वैज्ञानिक नाम 'यूडाइनेमिस स्कोलोपेकस' है। नर कोयल नीलापन लिए काला होता है, तो मादा तीतर की तरह धब्बेदार चितकबरी होती है।
नर कोयल ही गाता है। ये दूसरे पक्षियों विशेषकर कौओं के घोंसले के अंडों को गिरा कर अपना अंडा उसमें रख देती है।

बोल – बातचीत – Speak- बोल का मतलब बातचीत से होता है, जब हम समूह में बैठकर बातचीत करते हैं ।किसी भी मुद्दे के बारे में बात करना बातचीत कहलाता है, जिसमें एक दूसरे की बातों को हम सुनते हैं और अपनी सलाह भी देते हैं।

चिड़िया - पंछी – Bird - चिड़िया का मतलब पंछी होता है भारत में पक्षियों की बहुत सी प्रजाति पाई जाती है जिनमें से चिड़िया सबसे छोटी और सुंदर पक्षी है। पुराने समय में यह अक्सर पेड़ो पर और घरों की छतों पर बैठी हुई मिल जाती थी लेकिन अब यह मुश्किल से हीं कहीं देखने को मिलती है। पेड़ो की कटाई और हानिकारक कीटनाशकों के कारण चिड़िया की प्रजाति लुप्त होती जा रही है। चिड़िया को अलग अलग स्थानों पर अलग अलग नाम से बुलाया जाता है जैसे कि गौरेया,चिड़ी,चिमनी आदि।चिड़िया सफेद और हल्के भूरे रंग की होती है और पूरी दुनिया में पाई जाती है। मादा गौरेया की आँख के पास काला धब्बा होता है जबकि नर गौरेया में यह नहीं होता और वह चटख रंग में पाया जाता है और मादा के मुकाबले ज्यादा आकर्षक होता है। चिड़िया की औसतन आयु 4-7 वर्ष होती है और यह समुह में रहना पसंद करती हैं। यह ज्यादातर इंसानों के पास उनके घरों में ही घौसंले बनाती है और एक समय में 2-4 अंडे देती है।चिड़िया सर्वाहारी होती है। यह अनाज और कई तरह के फूलों के बीज खाती है और साथ ही फसलों के लिए हानिकारक कीड़ो को भी खाती है। यह भोजन की तलाश में मिलों का सफर तय करती हैं। चिड़िया की लंबाई 14-16 सेंटीमीटर होती है और चोंच पीले रंग की होती है। चिड़िया की आँखो पर काला रंग होता हैं और इनके पैर भूरे होते हैं। इसके गले और सिर पर भूरा रंग नहीं होता है। यह चीं- चीं की मधुर आवाज करने वाली पक्षी है और शाम को झुंड के साथ निकलती हैं। इसे सभी तरह की जलवायु पसंद होती है लेकिन यह पहाड़ी इलाकों में कम ही देखने को मिलती है।

Brainbox learn easy

चरखी – घिरनी – Pulley - चरखी का मतलब घिरनी से है इसको हम मांजा भी बोलते हैं जो पतंग को धागे के सहारे उड़ने में मदद करता है यह लकड़ी का बना होता है जिसमे बहुत सारे धागे लपेटे जाते है फिर उसको पतंग से बांधकर मंजे को हाथों में लेकर पतंग को आसमान में उड़ाया जाता है|

पतंग – कनकैया – Kite- पतंग का मतलब कनकैया हैं यह कागज से बनाया जाता है,जो काफी रंग बिरंगा होता है। पतंग मकर संक्रांति के अवसर पर आसमानों में उड़ाया जाता है, पतंग एक धागे के सहारे उड़ने वाली वस्तु है जो धागे पर पडने वाले तनाव पर निर्भर करती है। पतंग आमतौर पर हवा से भारी होती है, लेकिन हवा से हल्की पतंग भी होती है जिसे हेलिकाइट कहते है। ये पतंगें हवा में या हवा के बिना भी उड़ सकती हैं।

Brainbox
learn easy